

ETHOS LIMITED

KAMLA CENTRE, SCO 88-89, SECTOR 8-C
Chandigarh-160 009 INDIA
Phone : +91 172 2548223/24/27, 2544378/79
Fax : +91 172 2548302
CIN – L52300HP2007PLC030800
PAN – AADCK2345N

Ref. no.: Ethos/Secretarial/2022-23/27

Dated: August 31, 2022

BSE Limited
Phiroze Jeejeebhoy Towers,
Dalal Street, Mumbai - 400001

National Stock Exchange of India Limited
Exchange Plaza, C-1, Block G,
Bandra Kurla Complex, Bandra,
Mumbai - 400 051

Scrip Code: 543532

Trading symbol: ETHOSLTD

Subject : Intimation under Regulation 47 of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulations, 2015

Dear Sir/Ma'am,

Greetings from Ethos.

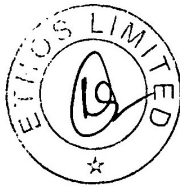
Pursuant to Regulation 47 of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements), Regulations, 2015, we are enclosing herewith the copies of newspaper advertisement of the notice to the shareholders of the Company regarding 15th (Fifteenth) Annual General Meeting of the Company which is scheduled to be convened on Tuesday, September 27, 2022 through Video Conferencing/ Other Audio-Visual Means, published in "Financial Express" (English Newspaper) and "Himachal Times" (Hindi Newspaper) on August 30, 2022.

This intimation will also be hosted on the website of the Company i.e. <https://www.ethoswatches.com/investors-information/>

Thanking you

Yours truly

For **Ethos Limited**



Anil Kumar
Company Secretary and Compliance Officer
Membership no. F8023

Registered Office:

Plot 3, Sector III, Parwanoo-173 220 INDIA

31 अगस्त को हिमाचल कैबिनेट की बैठक, होंगे कई अहम फैसले

शिमला। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक 31 अगस्त को होगी। इसमें कई अहम फैसले होंगे। इस बैठक में मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की बजट घोषणाओं को धरातल पर लागू करने के बारे में चर्चा होगी। इसके अलावा कई स्वास्थ्य, शिक्षण और अन्य संस्थानों को स्तरोन्नत करने के भी निर्णय होंगे। यह पेंशनरों की संयुक्त सलाहकार समिति (जेसीसी) की बैठक के बाद होगी। प्रदेश के पेंशनरों की पहली संयुक्त सलाहकार समिति की बैठक के एजेंडे के लिए पेंशनरों के मामले भेजे गए हैं। इनमें प्रदेश के पेंशनरों को पंजाब की तर्ज पर वित्तीय लाभ देने का मामला प्रमुख है। अभी तक प्रदेश में संशोधित वेतनमान पड़ोसी राज्य पंजाब की तर्ज पर



मिलते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश पेंशनर कल्याण संघ ने सरकार से मामला उठाया है कि गैर राजनीतिक संघ के प्रतिनिधियों को भी जेसीसी में बुलाया जाए। प्रदेश के करीब डेढ़ लाख पेंशनरों के लंबित मसले सुलझाने के लिए सरकार ने संयुक्त सलाहकार समिति (जेसीसी) की बैठक आगामी 31 अगस्त को राज्य सचिवालय में बुलाई गई है।

मुख्य सचिव आरडी धीमान की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में पेंशनरों के प्रदेश, जिला और ब्लॉकों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जा रहा है। प्रदेश के पेंशनर लंबे समय से पंजाब की तर्ज पर 5, 10 और 15 फीसदी पेंशन वृद्धि 65, 70 और 75 साल में देने की मांग प्रमुखता से उठा रहे हैं। यह मसला लंबे समय से लंबित पड़ा है।

मेडिकल भुगतान के लिए भी विकल्प दिया जाए। पेंशनरों को विकल्प रहे कि वे फिक्स मेडिकल 400 से 1000 रुपए मांग रहे हैं या फिरमेकल बिलों के आधार पर भुगतान हो। इस मांग पत्र में 1 जनवरी, 2016 के बाद सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को दिए जाने वाले वित्तीय लाभ लंबित पड़े हैं। इन पेंशनरों को दिए जाने वाले लाभ तुरंत दिए जाएं। छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत संशोधित पेंशन और एरियर एक मुश्त दिए जाए। पेंशनरों को हर दो साल में धार्मिक यात्रा के लिए एक माह की पेंशन बोनस के रूप में दी जाए। हिमाचल पेंशनर कल्याण संघ के अध्यक्ष आत्मा राम शर्मा ने कहा कि सरकार को संघ की ओर से 21 सूत्रीय मांग पत्र जेसीसी के लिए सौंपा गया है। एक जनवरी, 2016 के बाद रिटायर हुए पेंशनरों को पेंशन पर 2.57 फीसद लागू कर वित्तीय लाभ देने का मामला उठाया है। तय समय में पेंशनरों के मेडिकल बिलों का भुगतान किया जाए।

कांग्रेस प्रत्याशी बनने के लिए तीसरे दिन 60 और ने किए आवेदन

शिमला। विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस प्रत्याशी बनने के लिए सोमवार को तीसरे दिन 60 और दावेदारों ने आवेदन किए हैं। किन्नौर से जगत सिंह नेगी, शिमला से नरेश चौहान, हमीरपुर से कुलदीप पठानिया ने दावेदारी जताई है। तीन दिन के दौरान प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या 162 हो गई है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में सरगमियां बढ़ गई हैं। 31 अगस्त और एक सितंबर को अधिक आवेदन होने के आसार हैं। प्रदेश कांग्रेस ने एक सितंबर को शाम 5:00 बजे तक ई मेल



या सादे कागज के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए हैं। सोमवार को शिमला शहरी से पूर्व विधायक आदर्श सूद, पूर्व डिप्टी मेयर हरीश जनारथा, चौपाल से पूर्व विधायक सुभाष चंद मंगलेट, कसुमटी से बलदेव ठाकुर,

मनाली से नवीन तनवर और कोषनिधि आनंद, नाहन से जयदीप शर्मा ने आवेदन किया है। शिमला शहरी सीट के लिए मंगलवार को पूर्व पार्षद सुरेंद्र चौहान, एक सितंबर को प्रदेश कांग्रेस के महासचिव (प्रशासन) यशवंत छाजटा आवेदन करेंगे।

हिमाचल के मुख्यमंत्री ने किया बारिश प्रभावित गांवों का दौरा

शिमला। भारी बारिश के बीच हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने सोमवार को चंबा जिले के सिहुंटा इलाके का दौरा किया, जहां चार पंचायतों के तीन दर्जन परिवारों के लिए बचाव और राहत शिविर लगाए गए हैं, जिनके घर बारिश और भूस्खलन के कारण क्षतिग्रस्त हो गए थे।

मुख्यमंत्री ने परिवारों से मुलाकात की और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने अधिकारियों को हर आवश्यक दैनिक जरूरत की वस्तुओं को उन तक पहुंचाने का भी निर्देश दिया। ठाकुर ने कहा कि एक



सर्वेक्षण के बाद, यह पाया गया कि उनके घर रहने के लिए सुरक्षित नहीं थे। साथ ही उन्हें स्थायी रूप से पुनर्वास के लिए उपयुक्त और सुरक्षित भूमि की भी पहचान की जाएगी।

जिला प्रशासन और स्थानीय राजस्व अधिकारी नुकसान का आकलन कर रहे हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सभी प्रभावित परिवारों को मुआवजा सहायता प्रदान की

जाएगी। ठाकुर ने कहा कि राहत कार्यों के लिए एनडीआरएफ और स्थानीय राहत एवं बचाव एजेंसियों को तैनात किया गया है। भट्टियात क्षेत्र में अभूतपूर्व बारिश से सड़क

जला प्रशासन और स्थानीय राजस्व अधिकारी नुकसान का आकलन कर रहे हैं

संपर्क क्षतिग्रस्त होने से 24 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। एक केंद्रीय टीम ने भी प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है और नुकसान का आकलन करने के लिए एक सर्वेक्षण किया है। इसी तरह, जल शक्ति विभाग को भी 22.11 करोड़ रुपये की विभिन्न पेयजल आपूर्ति योजनाओं का नुकसान हुआ है।

बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के दावे खोखले



खज्जियार (चंबा)। एक तरफ प्रदेश सरकार बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के दावे कर रही है तो वहीं दूसरी ओर सरकारी स्कूलों में विद्यार्थी अध्यापकों के इंतजार में हैं। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला खज्जियार में अध्यापकों की कमी विद्यार्थियों पर भारी पड़ रही है। स्कूल में वर्ष 2006 से शिक्षकों के पद खाली चल रहे हैं।

आलम यह है कि स्कूल में प्रधानाचार्य का पद भी इसी माह खाली हो गया है। हैरानी की बात तो यह है कि साइंस और कॉमर्स संकाय के अध्यापक भी स्कूल में तैनात नहीं हैं। हालांकि, अभिभावक कई बार सरकार और विभाग को अवगत करवा चुके हैं लेकिन अभी तक कोई सकारात्मक पहल नहीं हो पाई है। इससे अभिभावकों में रोष है।

जानकारी के अनुसार स्कूल में करीब 350 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। स्कूल में हिंदी प्रवक्ता का एक, कॉमर्स प्रवक्ता का चार, ड्राइंग मास्टर का सात जबकि रसायन और बायो प्रवक्ताओं के पद 16 साल से रिक्त हैं। डीपीई और पीईटी के पद इसी साल खाली हुए हैं। इसके अलावा कार्यालय अधीक्षक का पद 12, क्लर्क का

15 और सीनियर असिस्टेंट का पद पांच साल से खाली पड़ा है। कुल मिलाकर स्कूल में अध्यापकों की कमी से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

ग्राम पंचायत खज्जियार के उपप्रधान अमर चंद का कहना है कि सरकार की ओर से अध्यापकों की तैनाती नहीं की जा रही है।

साल में एक बार होते हैं 84 सिद्ध और 9 नाथों के एक साथ दर्शन

शिमला। वर्ष में एक बार ही मणिमहेश आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को चौरासी सिद्धों और नौ नाथों के संपूर्ण दर्शन करने का मौका मिलता है। वैसे तो भरमौर में 84 सिद्ध और आठ नाथ हैं। इनमें नौवां नाथ चंबा का चरपट नाथ है जो केवल राधा अष्टमी के अवसर पर आयोजित होने वाले बड़े न्हाण (स्नान) के लिए पहुंचते हैं। उसी रात को चरपट नाथ चौरासी परिसर में एक रात के लिए डेरा डालते हैं। इस दौरान चौरासी परिसर में 84 सिद्ध और नौ नाथों का समूह पूर्ण होता है।

गौरतलब है कि वैश्विक महामारी कोरोना के बाद एक बार फिर मणिमहेश यात्रा में



असंख्य श्रद्धालु पहुंचना शुरू हो गए हैं। दो साल के बाद श्रद्धालुओं को कई तीर्थ, सिद्धों और नाथों के दर्शन करने का मौका मिल रहा है। मणिमहेश यात्रा के दौरान भरमौर से आगे की चढ़ाई के दौरान श्रद्धालुओं में जोश

बनते ही दिखता है। चौरासी परिसर में स्थित 84 सिद्ध और नौ नाथ एक साथ विराजमान होते हैं। सोमवार को भरमौर के स्थानीय ग्रामीण और सैकड़ों श्रद्धालु इस शुभ घड़ी के गवाह बने। भरमौर के

चौरासी परिसर में धर्मराज का मंदिर, लखना माता मंदिर, नर सिंह मंदिर, नंदी समेत कई छोटे-बड़े मंदिर हैं लेकिन चंबा से आने वाले चरपट नाथ का आशीर्वाद लोगों को मात्र मणिमहेश के दौरान ही मिलता है।

पाई-पाई जोड़कर बनाए घर चढ़ गए बारिश की भेंट



सिहुंटा (चंबा)। साहब! से कई परिवार पूरी तरह से खून पसीने की कमाई और बेघर हो चुके हैं। कई पाई-पाई जोड़कर तैयार परिवारों की उपजाऊ भूमि किए गए मकान भारी बारिश पानी में बह गई है। इससे अब प्रभावित परिवारों को गुजर-बसर की चिंता दिन-रात सता रही है।

ग्राम पंचायत जोलना के गांव तरटी खोपरु निवासी प्रभावित लीला देवी पत्नी मणि राम और प्रभावित निर्मला देवी पत्नी कृष्ण चंद ने बताया कि भारी बारिश ने उनके गांवों में भूचाल ला दिया। उस घड़ी को याद कर उनके रोंगटे खड़े हो जाते हैं। भारी बारिश के बीच चारों तरफ बचाओ-बचाओ के चीखें अभी भी उनके कानों में गूंज रही हैं। घर, जमीनें बहने के बाद राहत और बचाव कार्य के तहत भट्टियात के विधायक के निर्देशानुसार उन्हें ककरोटी घट्टा में बनाए गए अस्थायी टेंटों में ठहराया गया है। यहां पर शासन-प्रशासन और पंचायत की ओर से उनके खाने-पीने की व्यवस्था की गई है। ग्रामीण उस भयावह घड़ी से इतने सहम गए हैं कि दिन के समय भी क्षतिग्रस्त घरों में जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं।

इस दौरान बुजुर्ग स्वर्णा देवी अपनी व्यथा सुनाते-सुनाते भावुक हो उठीं। रुंधे गले से उन्होंने मुख्यमंत्री से अब फिर से आशियाना बसाने के लिए उपयुक्त जमीन और उचित मुआवजा देने की गुहार लगाई। प्रभावितों ने बताया कि उनके परिवार के सदस्य खेतीबाड़ी कर गुजर-बसर करते हैं। इस प्रकार की आपदा के बारे में उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था लेकिन 18 अगस्त को हुई भारी बारिश के कहर से कइयों के घर जमींदोज होने

केंद्र से आई टीम ने आपदा प्रभावित ढांगू-माजरा और चक्की पुल का लिया जायजा

ठाकुरद्वारा। केंद्र सरकार की ओर से गठित अंतर मंत्रालय केंद्रीय टीम के तीन सदस्यीय दल ने संयुक्त सचिव सुनील कुमार बर्णवाल के नेतृत्व में सोमवार को आपदा प्रभावित क्षेत्र नूरपुर व ढांगू-माजरा का दौरा कर बरसात से हुए नुकसान का जायजा लिया। इस दल में केंद्रीय सहायक सचिव व्यय विवेक केवी, केंद्रीय जल आयोग (शिमला) के निदेशक पीपूष रंजन व हिमाचल प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निदेशक एवं विशेष सचिव सुदेश मोक्टा भी शामिल रहे। केंद्रीय दल ने चक्की खड्ड पर बने पुल और इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के

अंतर्गत ढांगू-माजरा सड़क का निरीक्षण किया। सोमवार सुबह 9:20 पर टीम चक्की पुल पर पहुंची। टीम ने पुल के दोनों ओर निरीक्षण किया। इसके बाद टीम माजरा चली गई। इस दौरान माजरा गांव के आपदा से प्रभावित लोगों से बातचीत भी की। लोक निर्माण विभाग मंडल इंदौरा के अधिशासी अभियंता बलदेव सिंह ने बताया कि इंदौरा मंडल के ढांगू माजरा रास्ते सहित विभाग को लगभग 25 करोड़ का नुकसान हुआ है। रियोजनाओं को भी भारी नुकसान हुआ है। इसमें जल शक्ति विभाग मंडल के अंतर्गत लगभग 14 करोड़ रुपये के

नुकसान का आकलन किया गया है। जायजा करने पहुंची



टीम ने पुल के दोनों ओर निरीक्षण किया। इसके बाद टीम माजरा चली गई। इस दौरान माजरा गांव के आपदा से प्रभावित लोगों से बातचीत भी की।

इंदौरा विनय मोदी, अधिशासी अभियंता इंदौरा लोक निर्माण विभाग बलदेव सिंह, जल शक्ति विभाग सहायक अभियंता महेंद्र ठाकुर व कनिष्ठ अभियंता प्रदीप शर्मा उपस्थित रहे।

टीम के साथ एसडीएम नूरपुर अनिल भारद्वाज व एसडीएम